1. हेमप्राकृत शब्दानुशासन के तृतीय पाद के सूत्र 1 से 30 तक (संज्ञा प्रकरण) इनमें से कोई 4 सूत्र देकर उनमें से 2 का हिन्दी अर्थ एवं उदाहरण पूछे जायेंगे। 10 अंक

2. प्राकृत रचना अभ्यास – 10 अंक
प्राकृत रचना सौरभ – डॉ. के. सी. सोगानी (पाठ 1 से 30 तक)

सहायक पुस्तकें :–

1. प्राकृत गद्य–सोपान – डॉ. प्रेम सुमन जैन, प्राकृत भारती अकादमी, जयपुर।
2. प्राकृत भाषा एवं साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास, डॉ. नेमिचन्द शास्त्री।
3. हेमप्राकृत व्याकरण शिक्षक (खण्ड–1) डॉ. उदयचन्द्र जैन, प्राकृत भारती अकादमी, जयपुर।
4. प्राकृत व्याकरण (हिन्दी व्याख्या–भाग–1) – श्री प्यारचन्द महाराज।
5. प्राकृत रचना सौरभ – डॉ. के. सी. सोगानी, अपभ्रंश साहित्य अकादमी, जयपुर।
6. जैन धर्म – पं. कैलाशचन्द्र शास्त्री, मथुरा।

बी.ए. तृतीय वर्ष, हिन्दी साहित्य : 2009–2010

इस विषय में 100–100 अंकों के दो प्रश्न–पत्र होंगे।

प्रथम प्रश्न–पत्र : काव्य

100 अंक

पाठ्य पुस्तकें :

1. भक्ति काव्य सरिता – संपादक : डॉ. श्यामसुंदर दीक्षित
प्रकाशक : राजस्थान प्रकाशन, त्रिपोलिया बाजार, जयपुर
2. नहुष – कवि मैथिलीशरण गुप्त
प्रकाशक : नेशनल पब्लिशिंग हाऊस, दरियागंज, नई दिल्ली

पाठ्य विषय : पाँच इकाईयों में विभक्त होगा :

इकाई – I

कबीर (4 से 8, 11 से 17 तथा 21 से 26 पदों को छोड़ कर) और जायसी (नख–शिख को छोड़ कर) के संकलित अंश की व्याख्या एवं आलोचना

इकाई – II

सूरदास (संयोग श्रृंगार – 1 से 6 को छोड़कर, वियोग वर्णन – 13 से 25 छोड़कर)

तुलसीदास (सुन्दर काण्ड–21 से 22 छोड़ कर, लंका काण्ड–23 से 27 छोड़कर) और रसखान (26 से 52 तक के पद छोड़ कर) के संकलित अंश की व्याख्या एवं आलोचना। उपर्युक्त अंशों को छोड़कर शेष अंश ही स्वीकृत माने जावे।

इकाई – III

सुंदरदास (गुरू दया षदपदी 1 से 2 पद छोड़ कर, त्रिभंगी छंद 1 से 13 पद) छोड़कर, अथ आत्मा अचल अष्टक 1 से 8 पद छोड़कर, मन–18,19, वाणी का महत्व–20, भजन न करने वाले–21,22 पदों को छोड़कर ही शेष अंश स्वीकृत माने जावे) और मीराँ (पद संख्या– 32 से 46 को छोड़ कर शेष अंश) बाई के संकलित अंश की व्याख्या एवं आलोचना

'ढोला मारू रा दूहा' की व्याख्या एवं आलोचना (1 से 109 तक को छोड़ कर शेष अंश, 184 से 211 तक को छोड़कर शेष अंश)

इकाई – IV

नहुष की व्याख्या एवं आलोचना

इकाई – V

भक्ति काव्य धारा का परिचय

शब्द शक्ति परिचय

अंक योजना : प्रश्न–पत्र 100 अंक का होगा, जो तीन खण्ड – 'अ', 'ब', 'स' में विभक्त होगा, जिसका अंक–विभाजन इस प्रकार रहेगा –

खण्ड 'अ' – **10 अंक**

इस खण्ड में एक–एक अंक के विकल्प रहित दस वस्तुनिष्ठ लघुउत्तरात्मक प्रश्न होंगे। प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न होंगे।

खण्ड 'ब' – **50 अंक**

इस खण्ड में दस–दस अंक के विकल्पसहित पाँच प्रश्न होंगे। प्रथम तीन प्रश्न व्याख्या सम्बन्धी होंगे, जिनमें से **इकाई – IV** से एक व्याख्या का प्रश्न देना आवश्यक होगा। प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न होगा। इन प्रश्नों के उत्तर लगभग 250 शब्दों तक दिये जा सकते हैं।

खण्ड 'स' – **40 अंक**

इस खण्ड में बीस–बीस अंक के विकल्पसहित दो प्रश्न होंगे, जिनका उत्तर लगभग 500 शब्दों में देना होगा। इन प्रश्नों में एक प्रश्न के दो भाग भी हो सकते हैं।